लघु चित्रपट (फिल्म शो)

तारक महेता का उल्टा चश्मा के कलाकार
जेठालाल (दिलीप जोशी) दयाभाभी (दिशा वाकाणी)

हास्य कलाकार
साईराम दवे के साथ
कैन्सर का फिल्म शो

कार्यक्रम के बाद कुछ
सवाल के सही जवाब देनेवालों को ईनाम

ये कार्यक्रम "नि:शुल्क" रखा जाता है।

आप भी हमारे अभियान से जुड़ सकते है, ईसलीये
हमारी हेल्पलाईन पर संपर्क करे।

Human Wellness Foundation
website : www.hwf-india.in
FOLLOW US ON

Head Office: D-707 Ganesh Meridian,
Opp. Gujarat High Court, S.G. Highway, Ahmedabad.
Helpline: +91 70 6969 6262, Email: info@hwf.india.in.
Branch Office: Pashupati Cotspin LLP,
Detroj Road,Balasar, Kadi, Gujarat

कैन्सर जागृति अभियान

आयुष

कैन्सर के प्रति समाज को जगाना,
स्वस्थता का है संकल्प हमारा...

जागोगे समयसर..
तो कैन्सर
हो सकता है कन्सल

। फिल्म शो । "जीतु क्यारे जागशे?" । "जाग्या त्यारथी सवार" । समय : ४० मीनीट ।

हेल्पलाईन : ७० ६९६९ ६२६२

उपनिषद में लिखा है कि शरीर के स्वास्थ्य का पालन करना हमारा सर्वप्रथम कर्तव्य है, क्योंकि मृत्यु के पश्चात संसार के सारे सुखों का नाश हो जाता हैं। विश्व आरोग्य संस्था (WHO) के आंकडो के हिसाब से हमारे देश में "कैन्सर" तीव्र गति से बढ़ रहा है। व्यसनो के कारण पुरुषो मे मुह, गले और फेफड़ो के कैन्सर होने की संभावनाएँ काफी ज्यादा हैं। महिलाओं मे स्तन और गर्भाशय के कैन्सर ज्यादा पाए जाते है।

कैन्सर से मरीज़ को अनेक प्रकार की शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक मुश्किलें आती हैं। **कैन्सर के पहले ही चरण में निदान होने से इलाज़ का खर्च कम होता है और संपूर्णत: रोगमूक्त होने की संभावना बढ़ जाती है।** इसलिए HWF प्रेरित कैन्सर जागृति अभियान "आयुष" द्वारा जनजागृति के ज्ञानार्पण कार्यक्रमों का आयोजन आपके नजदीकी क्षेत्र में होने वाला है, तो इसमें उपस्थित रहने के लिये हमारा हार्दिक निमंत्रण है।

ईस कार्यक्रम में :

- काफी सरल भाषा में कैन्सर की जानकारी।
- ख्यातनाम कलाकारों द्वारा हास्य कार्यक्रम।
- कैन्सर के इलाज और व्यसनमुक्ति केन्द्रित ज्ञान संवर्धक पुस्तिका।
- सरकार के आरोग्यलक्षी योजनाओं की जानकारी।
- अंगदान के बारे में जानकारी।

कैन्सर की वास्तविकताअें...

- कैन्सर के प्रतिवर्ष १० लाख नए मरीज़ पाए जाते है।
- प्रति वर्ष ६-७ लाख लोगों की कैन्सर के कारण मृत्यु हो जाती है।
- कुल कैन्सर के ४०% कैन्सर सिर्फ तम्बाकू की वजह से होते है।
- हादसे में मृत्यु होने वालों के बाद दुसरे स्थान पर कैन्सर से मृत्यु पानेवालों का क्रम आता है।
- अनुमान है कि वर्ष २०२५ तक कैन्सर के मरीजों की संख्या में ५ गुना बढ़ोतरी होगी।

जल्दी निदान बनें वरदान

- कैन्सर का समय पर निदान होना दर्दी के लिये वरदान हो जाता है।
- प्रथम चरण का कैन्सर जल्दी मिटाया जा सकता है।
- दर्दी और उसका परिवार ज्यादा परेशानियों से बच जाते हैं।
- कुछ सावधानी और प्राथमिक जाँच गंभीर परिणामों को रोक सकते हैं।

कैन्सर के कुछ शारीरिक लक्षण

- शरीर में कही भी दर्द न होने वाली गांठे का होना।
- कुछ खाने या नीगलने में परेशानी होना।
- मुँह मे एक जगह बिना दर्द का छाला जो की ठीक नहीं हो रहा हो।
- शरीर में से बिना कारन खून का निकलना, उसमे भी पेशाब और झाडे में खून आना।
- शरीर के किसी भी भाग में ठीक न हो रहा हो ऐसा छाला होना।